मल्टीपल मायलोमा के प्रकार

मल्टीपल मायलोमा अस्थि मज्जा की प्लाज़्मा कोशिकाओं का कैंसर है। यह विभिन्न प्रकारों में पाया जाता है, जिनका वर्गीकरण कैंसर कोशिकाओं द्वारा उत्पन्न असामान्य एंटीबॉडी (एम प्रोटीन) के आधार पर किया जाता है।

1. IgG मायलोमा

यह सबसे सामान्य प्रकार है और लगभग आधे से अधिक रोगियों में पाया जाता है। इसमें कैंसर कोशिकाएँ IgG प्रकार की एंटीबॉडी बनाती हैं।

2. IgA मायलोमा

यह दूसरा सबसे सामान्य प्रकार है। इसमें IgA एंटीबॉडी का अत्यधिक उत्पादन होता है और कभी-कभी रोग अधिक आक्रामक हो सकता है।

3. लाइट चेन मायलोमा

इस प्रकार में केवल एंटीबॉडी की हल्की श्रृंखलाएँ (कप्पा या लैम्ब्डा) बनती हैं। इससे गुर्दों पर विशेष प्रभाव पड़ सकता है।

4. IgD एवं IgE मायलोमा

ये अत्यंत दुर्लभ प्रकार हैं। IgD मायलोमा अपेक्षाकृत अधिक आक्रामक हो सकता है, जबकि IgE मायलोमा बहुत कम देखा जाता है।

5. नॉन-सीक्रेटरी मायलोमा

इस प्रकार में कैंसर कोशिकाएँ बहुत कम या बिल्कुल भी एम प्रोटीन नहीं बनाती हैं, जिससे निदान अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है।

सॉलिटरी प्लाज़्मासाइटोमा और एम.जी.यू.एस:

प्लाज़्मा कोशिकाओं से संबंधित रोगों में सॉलिटरी प्लाज़्मासाइटोमा और एम.जी. यू .एस महत्वपूर्ण अवस्थाएँ हैं। ये मल्टीपल मायलोमा से जुड़े होते हैं, लेकिन उससे भिन्न हैं।

सॉलिटरी प्लाज़्मासाइटोमा

सॉलिटरी प्लाज़्मासाइटोमा में प्लाज़्मा कोशिकाओं का असामान्य बढ़ाव शरीर के केवल एक स्थान पर पाया जाता है, प्रायः किसी हड्डी या नरम ऊतक में। इस अवस्था में अस्थि मज्जा सामान्य रहती है और मल्टीपल मायलोमा की तरह पूरे शरीर में रोग नहीं फैला होता।

एम जी यू एस (अनिश्चित महत्व की मोनोक्लोनल गैमोपैथी))

एम.जी.यू.एस एक पूर्व-कैंसर अवस्था है जिसमें रक्त में असामान्य एम-प्रोटीन पाया जाता है, लेकिन मल्टीपल मायलोमा या अन्य संबंधित रोगों के लक्षण उपस्थित नहीं होते।

निष्कर्ष

मल्टीपल मायलोमा के विभिन्न प्रकारों की पहचान उपचार योजना और रोग के पूर्वानुमान के लिए महत्वपूर्ण होती है। आधुनिक जांच तकनीकों की सहायता से सही प्रकार का निर्धारण कर प्रभावी उपचार दिया जा सकता है।

नाम डॉ प्रियेश दुबे

पदनाम एपी मेडिकल ऑन्कोलॉजी

ओपीडी प्लेस आरडीजीएमसी उज्जैन

ओपीडी का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक